आज 11-05-2016

निदेशक नरेन्द्र मोहन व किबोस के भीरे चिते।

चीनी मिलों में उच्च तकनीक के लिए किबोस और एनएसआई में हुआ करार

कानपुर, 10 मई। किबोस शुगर एवं रिफाइनी कं.लि. किसुमु, केन्या के चेयरमैन भीरे चिते एवं उनकी टीम ने ९ और १० मई तक राष्ट्रीय शर्करा संस्थान कानपुर का भ्रमण किया। निरीक्षण के दौरान वे चीनी मिलों, चीनी रिफाइनरी, १८ मेगावाट कोजनरेशन यूनिट,४०००० ली. प्रतिदिन क्षमता वाली आसवनी एवं चीनी मिल प्रक्षेत्र में उगाये जा रहे गन्ने आदि के विकास एवं संवर्धन हेतु संस्थान के कुशल तकनीक एवं अभियंताओ से तकनीकि परामर्श ले सकेंगे। किबोस शुगर एवं रिफाइनरी कं.लि. केन्या, चेयरमैन भीरे चिते और राष्ट्रीय शर्करा संस्थान कानपुर के निदेशक नरेंद्र मोहन के बीच एक समझौते में हस्तक्षार हुए। सहमति हुई कि संस्थान के विशेषज्ञों द्वारा किबोस समूह पूरे वर्ष विविध तकनीक मामलों जैसे चीनी मिलों की तकनीकि क्षमता विस्तर तकनीकि आडिट, ऊर्जा हास में कमी, बिजली उत्पादन भी किया जा सकेगा। टीम २४ मई को किबोस समूह का भ्रमण करने जाएगी।

हिन्दुस्तान 11-05-2016

वित्तीय अनुदान देना सरकार का नीतिगत मामला

इलाहाबाद/कानपुर। इलाहाबाद हाईकोर्ट ने कहा है कि प्राथमिक विद्यालयों में शिक्षा पाना बच्चों का अधिकार है। लेकिन इसका या मतलब नहीं है कि सरकार प्रदेश के सभी एससी/एसटी प्राथमिक स्कूलों को वित्तीय अनुदान दे।

अनुदान देना या न देना सरकार का नीतिगत मसला है और यह सब सरकार के खजाने पर निर्भर करता है। इस कारण कोर्ट सरकार को सभी एससी/एसटी गैर अनुदानित स्कूलों को वित्तीय अनुदान पर देने का आदेश जारी नहीं कर सकती। यह आदेश मुख्य न्यायाधीश डॉ. डीवाई चन्द्रचूड़ व न्यायमूर्ति यशवंत वर्मा की खंडपीठ ने अनुसूचित जनजाति प्राथमिक विद्यालय शिक्षक कल्याण समिति उत्तर प्रदेश की जनहित याचिका पर दिया है। याची का कहना था कि प्रदेश में तमाम अनुसूचित जनजातियों के विद्यालय हैं, परन्तु उनके स्कूलों को सरकार वित्तीय अनुदान नहीं दे रही है। जिस कारण ऐसे स्कूल बंदी के कगार पर हैं।

चीनी की उत्पादकता बढ़ाने पर जोर

कानपुर | वरिष्ठ संवाददाता

राष्ट्रीय शर्करा संस्थान (एनएसआई) और केन्या की किबोस शुगर एवं रिफाइनरी के बीच मंगलवार को आपसी समझौते पर हस्ताक्षर हुए। दोनों के बीच शैक्षणिक और तकनीकी मसौदे पर समझौता हुआ। इससे चीनी की उत्पादकता बढ़ाने पर मंथन किया जा सकेगा।

किबोस शुगर एवं रिफाइनरी, केन्या एवं राष्ट्रीय शर्करा संस्थान इस बात पर सहमत हो गए कि संस्थान के विशेषज्ञ किबोस समूह को पूरे वर्ष विविध तकनीकी मामलों जैसे चीनी मिलों की तकनीकी क्षमता विस्तार के लिए तकनीकी? ऑडिट, ऊर्जा ह्रास में कमी, ताजे पानी के उपयोग एवं दूषित जल प्रबंधन के संदर्भ में परामर्श देना, जिससे चीनी की उत्पादकता बढ़ाई जा सके और आसवनियों में बिजली उत्पादन भी किया जा सके।

इन पर भी बनी सहमति : संस्थान किबोस समूह को उनकी वर्तमान इकाइयों के विस्तार एवं आधुनिकीकरण के लिए, तकनीकी मानव शक्ति की भर्ती के लिए भी मार्गदर्शन करेगा। संस्थान किबोस समूह को आधुनिकतम तकनीकी प्रक्रिया के अनुपालन, यंत्रीकरण एवं स्वनियंत्रित तकनीक के विकास में भी सहयोग देगा जिससे उत्पादकता में वृद्धि कर उत्पादन लागत घटाई जा सके। संस्थान द्वारा किबोस समूह में कार्यरत कर्मियों के कौशल विस्तार के लिए अपने यहां प्रशिक्षण देने पर भी विचार करेगा।

केन्या जाएगी टीम : एनएसआई के निदेशक प्रोफेसर नरेन्द्र मोहन और चेयरमैन किबोस समूह भोरे के बीच चली वार्ता में यह भी सहमति बनी कि एनएसआई के वैज्ञानिकों और शिक्षकों की एक टीम 24 मई को केन्या जाएगी। मंत्रालय से भी दोनों के बीच सहमति पर हुए हस्ताक्षर के लिए सहमति ली जाएगी।

एनएसआई और केन्या की किबोर शुगर एवं रिफाइनरी में मंगलवार को शैक्षणिक और तकनीकी मसौदे को लेकर समझौता हुआ।

कवायद

- एनएसआई और केन्या के बीच हुआ समझौता
- 24 मई को एनएसआई की टीम जाएगी केन्या

राष्ट्रीय सहारा 11-05-2016

केन्याई शुगर व रिफाइनरी कंपनी को करेगा सहयोग

■ कानपुर।

सहारा न्यूज ब्यूरो

राष्ट्रीय शर्करा संस्थान (एनएसआई) केन्या स्थित शुगर व रिफाइनरी कंपनी को शुगर उत्पादन , कोजनरेशन सहित अन्य क्षेत्रों में सहयोग करेगा।

इस बात की सहमति मंगलवार को यहां एनएसआई के दौरे पर आये केन्याई कंपनी के चेयरमैन के साथ वार्ता में बनी। एनएसआई के चार अधिकारियों का दल भी 24 मई को केन्याई कंपनी के कारोबार का हाल लेने केन्या के लिए रवाना होगी। संस्थान में केन्याई कंपनी के अधिकारियों का दल सोमवार को पहुंचा था व मंगलवार को उनकी रवानगी हो गयी।

संबंधित कंपनी के चेयरमैन ने सहयोगी अधिकारियों संग किया संस्थान का भ्रमण

केन्याई दल में मेसर्स किबोस शुगर एंड रिफाइनरी कं. लि. के चेयरमैन श्री भीर चिते व उनके सहयोगी शामिल थे। इन सभी का एनएसआई के निदेशक नरेन्द्र मोहन ने गर्मजोशी के साथ स्वागत किया व संस्थान का भ्रमण करा यहां उपलब्ध सुविधाओं व तकनीक की जानकारी दी। केन्याई कंपनी के अधिकारियों को संस्थान के आधुनिक लैब व मॉडल चीनी मिल का निरीक्षण भी कराया गया। संस्थान के वरिष्ठ शिक्षक डॉ.संतोष कुमार ने बताया कि संस्थान किबोस समूह को उनकी वर्तमान इकाईयों के विस्तार एवं आधुनिकीकरण हेतु तथा तकनीकी मानव शक्ति भर्ती हेतु मार्गदर्शन करेगा। संस्थान आधुनिकतम तकनीकी प्रक्रिया के अनुपालन, यंत्रीकरण एवं स्वनियंत्रित तकनीक के विकास में भी सहयोग करेगा, ताकि उनकी इकाईयों की उत्पादन लागत घटायी जा सके। यहां संस्थान में उक्त कंपनी के कर्मचारियों के लिए कौशल विकास कार्यक्रम संचालित किये जाने पर भी विचार विमर्श हुआ। एनएसआई व केन्याई कंपनी के साथ चीनी मिल इकाईयों, रिफाइनरी, 40 हजार लीटर प्रतिदिन क्षमता वाली आसवनी, 18 मेगावाट कोजनरेशन यूनिट, गन्ने के संवर्द्धन पर तकनीकी सलाह लिये जाने पर सहमति बनी है। एनएसआई उक्त कंपनी को चीनी मिलों के तकनीकी विस्तार, तकनीकी आडिट, ऊर्जा ह्रास में कमी, ताजे पानी का उपयोग व दूषित जल प्रबंधन व आसवनियों में बिजली उत्पादन के क्षेत्र में सहयोग प्रदान करेगा।

TIMES OF INDIA **11-05-2016**

NSI signs MoU with Kenya firm

Kanpur: A Kenya based sugar refinery company (Kibos Sugar Refinery Company Limited) and premier National Sugar Institute (NSI) signed a MoU on Tuesday that the latter shall provide round-the- year technical consultancy to all the units of Kibos Group. Director, NSI, Narendra Mohan informed TOI that as per the MoU the NSI shall guide Kibos Group on expansion and modernization of the existing units. A 4-member team of National Sugar Institute experts is scheduled to visit Kibos Group from 24 May this year for the consultancy work. TNN

iNEXT 11-05-2016

Was given details on progress made in Aadhar & DBT programmes at a high level meeting last evening.@narendr

NSI से बढ़े इंप्लॉयमेंट के अवसर

Our Study Group

» एग्रीकल्चर और फूडप्रोसेसिंग कंपनियां कैंपस प्लेसमेंट में दे रहीं अच्छे पैकेज

» क्वालिटी कंट्रोल, एल्कोहल टेक्नोलॉजी और शुगर इंजीनियरिंग में सबसे ज्यादा प्लेसमेंट

kanpur@inext.co.in

KANPUR (10 May): एशिया के एकमात्र शुगर इंस्टीटयूट में इस बार के कैंपस प्लेसमेंट पर नजर डाले तो यह कई बड़े व नामी इंजीनियरिंग कॉलेजों में होने वाले प्लेसमेंट से बेहतर हैं. एनएसआई में आने वाली ज्यादातर कंपनियां एग्रीकल्चर सेक्टर की हैं. सबसे ज्यादा डिमांड यहां से एल्कोहल टेक्नोलॉजी, शुगर इंजीनियरिंग और क्वालिटी कंट्रोल से कोर्स करने वाले स्टूडेंट्स की है. इंस्टीटयूट एडमिनिस्ट्रेशन के दावे को माने तो 100 फीसदी स्टूडेंट्स का कैंपस प्लेसमेंट हुआ है.

कैंपस प्लेसमेंट में 15 कंपनियां

नेशनल शुगर इंस्टीटयूट के प्लेसमेंट प्रभारी ने डॉ. स्वायन के मुताबिक इंस्टीटयूट में इस साल कैंपस प्लेसमेंट के लिए सबसे ज्यादा 15 कंपनियां शामिल हुए. इसमें ज्यादातर शुगर इंडस्ट्री से जुड़ी कंपनियां थी इसके अलावा शराब कारोबार से जुड़ी कई कंपनियां भी कैंपस प्लेसमेंट में आई. डॉ. स्वायन के मुताबिक शुगर इंजीनियरिंग के स्टूडेंट्स प्लेसमेंट में सबसे आगे रहे. इसके अलावा कुछ समय पहले ही शुरू हुए एल्कोहल टेक्नोलॉजी के कोर्स को लेकर सबसे ज्यादा क्यूरोसिटी कंपनियों ने दिखाई है.

PIC: I NEXT

3.5 लाख से ज्यादा का पैकेज

डॉ. स्वायम के मुताबिक प्लेसमेंट ड्राइव में 250 स्टूडेंट्स शामिल हुए. जिसमें से सबका प्लेसमेंट हो गया है. 10 स्टूडेंट्स को 3.5 लाख का पैकेज मिला है. प्लेसमेंट में एवरेज पैकेज 2.50 लाख का है. त्रिवेणी शुगर बिजनेस, डालमिया शुगर इंडस्ट्रीज ने सबसे ज्यादा प्लेसमेंट किया है. डॉ. स्वायम के मुताबिक इंडस्ट्री की डिमांड के हिसाब से जब से कोर्स शुरू किए गए हैं तब से कंपनियां ज्यादा आ रही हैं.

नए कोर्सेस से उभरे नए अवसर

एनएसआई में एक दर्जन से ज्यादा कोर्सेस चल रहे हैं जिसमें 300 के करीब सीटें हैं. इसके अलावा एल्कोहल टेक्नोलॉजी समेत कई नए कोर्सेस भी शुरू किए गए हैं. इसके अलावा कई नए सर्टिफिकेट कोर्सेस संचालित करने की भी तैयारी है. ऐसा एग्रीकल्चर इंडस्ट्री की डिमांड के हिसाब से किया जा रहा है. इंडस्ट्रीयल फ्रिमेंटेशन और एल्कोहल टेक्नोलॉजी के कोर्स इसी वजह से शुरू किए जा रहे हैं. इसके अलावा क्वालिटी कंट्रोल और शुगर ब्वाइलिंग में भी सर्टिफिकेट कोर्स से इस इंडस्ट्री को ज्यादा प्रोफेशनल्स मिल सकेंगे.

सार्क कंट्रीज के स्टूडेंट्स भी लेंगे एडमिशन

इंस्टीटयूट के डायरेक्टर नरेंद्र मोहन के मुताबिक संस्थान में अब काफी कुछ नया हो रहा है. जिसकी वजह से संस्थान को जल्द ही विश्वस्तर पर जाना जाने लगेगा. इस सेशन में सार्क कंट्रीज के स्टूडेंट्स के लिए भी सीटें दी गई है. भूटान, नेपाल, अफगानिस्तान, श्रीलंका और पाकिस्तान जैसे देशों से भी स्टूडेंट्स यहां पढ़ने आएंगे.

एग्रीकल्चर में ट्रेनिंग का सेंटर बनेगा एनएसआई

एनएसआई के डॉयरेक्टर नरेंद्र मोहन के मुताबिक संस्थान में एग्रीकल्चर सेक्टर में एडवांसमेंट पर काम किया जा रहा है. नए कोर्सेस इंडस्ट्री और एग्रीकल्चर सेक्टर के बदलावों को देखते हुए इंट्रोडयूस किए जा रहे हैं. न सिर्फ शुगर इंडस्ट्री बल्कि फूड प्रोसेसिंग इंडस्ट्री में भी एनएसआई के स्टूडेंट्स की डिमांड बढ़ी है. इससे एनएसआई की साख में जो इजाफा हुआ ही है. बल्कि युवाओं में भी शुगर टेक्नोलॉजी में करियर को लेकर उम्मीदें बढ़ी है. उन्होंने बताया कि संस्थान में एडमिशन के लिए 18 मई एप्लिकेशन की लॉस्ट डेट है. 30 मई को अभ्यर्थी एडमिट कार्ड अपलोड कर सकते हैं.

HINDUSTAN TIMES 11-05-2016

Kenyan firm signs MoU with NSI for technical assistance

KANPUR: In a first, a Kenyan firm signed a Memorandum of Understanding (MoU) with the National Sugar Institute (NSI) for technical know-how and production management on Tuesday.

The MoU was signed by the chairman of Kibos Sugar Refinery Co Ltd, Kisumu, Kenya Bhire Chitte. He said that the refinery and National Sugar Institute (NSI) have agreed in principle that the latter will provide round-the-year consultancy to all the units of Kibos Group on various technical matters, including technical audit of the plants for improving technical efficiency, reducing energy consumption, fresh water utilisation, waste water generation and management for enhancing the productivity of their sugar units.

According to the director of NSI Dr Narendra Mohan, the institute will provide technical services to their sugar units, refinery, 18 MW co-generation unit, distillery and for the development of sugarcane in the factory area. The institute will also guide the Kibos Group on expansion and modernisation of the existing units and recruitment of technical manpower for running the plant with optimum efficiency. **HTC**